➤Postal Regd. No. MCN/298/2016-2018 ➤RNI No. MAHMUL/2015/65928
www.gaubharatbharti.com
गऊ वंश पर आधारित प्रथम राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती भाषा में।
संपादक - संजय शर्मा

गऊ भारत भारती

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पालघर, नाशिक, पुणे, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात में वितरित
मूल्य २/- रुपये

Deepak Farsan Mart Kurla
दीपक फरसाण मार्ट कुर्ला
595, Pipe Road, Opposite Deepak Farsan, Kurla (W), Kurla West, Kurla, Mumbai, Maharashtra 400070 Phone: 098195 52117

● Email: gaubharatbharti@gmail.com ● वर्ष- 7 ● अंक- 34 ● मुंबई, रविवार 6 फरवरी 2022 से 12 फरवरी 2022 ● पृष्ठ- 4

संक्षिप्त खबरें

मुंबई सीरियल ब्लास्ट में शामिल आतंकी अबु बक्र की UAE में हुई गिरफ्तारी, भारत लाने की तैयारी में जुटी सरकार

भारतीय जांच एजेंसी का दावा है कि १९९३ मुंबई ब्लास्ट के मोस्ट वांटेड आतंकी अबु बक्र को UAE से गिरफ्तार कर लिया गया है. यह गिरफ्तारी UAE की एजेंसियों के सहयोग से की गई है. सूत्रों ने यह भी बताया की उसे भारत लाने का प्रयास किया जाएगा. एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि साल २०१९ में भी वह यूएई से ही पकड़ा था और तब उसे

भारत लाने में सफलता नहीं मिली थी. इस बार दोबारा उसे पकड़ा गया है और इस बार भारत लाने की कोशिश होगी. अबु पर भारत में ब्लास्ट के लिए RDX लाने का आरोप है. मिली जानकारी के अनुसार उसे पकड़ने के लिए काफी दिनों से ऑपरेशन चलाया जा रहा था. गिरफ्तारी से पहले उसे पाकिस्तान और UAE में छिपे रहने की जानकारी मिली थी.

दरअसल अबु बक्र को अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम का करीबी माना जाता है. उसपर १९९३ में मुंबई ब्लास्ट में शामिल होने के अलावा POK में विस्फोटकों की ट्रेनिंग देने और आतंकियों को हथियार सप्लाई करने जैसे कई आरोप हैं. अबु बक्र पर आरोप है कि मुंबई ब्लास्ट के दौरान उसने ही भारी मात्रा में आरडीएक्स की सप्लाई की थी.

पत्रकार बनकर मुंबई के डॉक्टर से मांगी नौ करोड़ की रंगदारी, गिरफ्तार

गोरखपुर से मुंबई पुलिस ने रंगदारी के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने पत्रकार बनकर मुंबई के एक डॉक्टर से ९ करोड़ की रंगदारी मांगी थी। जिसमें कुछ रकम वसूल लिया था। मुंबई पुलिस गुरुवार को गोरखपुर में गिरफ्तार कर उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई है। पुलिस के अनुसार चिलुआताल के शास्त्री नगर स्थित मकान नम्बर २६२ निवासी रश्मिकांत त्रिपाठी पुत्र भोलानाथ ५ साल से मुंबई के बांद्रा में रहता था। वहां वह किसी अखबार में पत्रकार था। आरोप है कि इस दौरान

उसकी दोस्ती एक डॉक्टर से हुई। डॉक्टर को उसने एक लड़की के जाल में फंसाकर अश्लील तस्वीर बनवा ली। इसके बाद वह डॉक्टर को ब्लैकमेल करने लगा। डॉक्टर को जान की धमकी व बदनाम करने की बात कह उसने ९ करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। आरोप है कि ब्लैकमेलिंग कर कुछ पैसा आरोपित ने वसूल भी लिया था। पर वसूली से परेशान होकर डॉक्टर ने पुलिस में शिकायत कर दी। डॉक्टर की तहरीर पर वहां की पुलिस ने जब केस दर्ज किया तो वह फरार हो गया।

सर्विलांस के जरिये पुलिस को पता चला कि आरोपित अपने घर है। जिसके बाद वहां की पुलिस विवेचक के नेतृत्व में बुधवार की रात गोरखपुर पहुंची। चिलुआताल पुलिस की मदद से मुंबई के थाड़े की पुलिस ने आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया और स्थानीय कोर्ट में पेश किया। वारंट बी पर उसकी ट्रांजिट रिमांड लेकर मुंबई पुलिस उसे अपने साथ ले गई।

जरूरत के मुताबिक बजट नहीं मिलने से बंद हुईं २०० गौशालाएं, सिर्फ खिलाने के लिए चाहिए इतने करोड़

मध्यप्रदेश में अब तक २०० गौशालाएं बंद हो चुकी हैं. बीते एक साल में गौ-संवर्धन बोर्ड ने ही ३ गौशालाओं का संचालन बंद कर दिया है. इनमें एक भोपाल और दो देवास जिले की गौशालाएं शामिल हैं. इसके पीछे उम्मीद के मुताबिक सरकार और आमजन का सहयोग नहीं मिल पाना बताया जा रहा है. गौशालाओं के लिए आवंटित बजट मिलने में होने वाली देरी भी एक कारण है.

इधर ऐसे हालातों में वन विभाग ने भी गौशालाओं के निर्माण से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं. विभाग ने ५० गौशालाओं के निर्माण के टारगेट में से २५ को सरेंडर कर दिया है. गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में अभी ६२७ प्राइवेट और मुख्यमंत्री गौसेवा योजना से बनी ९५१ गौशालाओं में करीब २ लाख ५५ हजार से अधिक गाय हैं. इनके साल भर खाने के लिए ही करीब १८४ करोड़ की आवश्यकता है, लेकिन जरूरत के मुताबिक बजट नहीं मिल पाने से गौशालाएं बंद हो रही हैं. गौशालाओं के व्यवस्थित संचालन के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की बात सामने आई थी. इसके लिए गौशालाओं में गोबर से गौकाष्ठ बनाने की मशीन

लगाए जाना जैसे प्रयोग किए जाने थे. इसके बाद पशुपालन विभाग ने प्रदेश में संचालित ६२७ प्राइवेट गौशालाओं में से २५ के हाईटेक होने का दावा भी किया था. यहां मशीने भी लगाई गई थीं लेकिन बताया जा रहा है कि बिजली नहीं होने से एक महीने बाद ही कई मशीनें वापस चली गईं.

मप्र पशु संवर्धन बोर्ड के उपाध्यक्ष और गोपालन कार्य परिषद के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी ने कहा, उपाध्यक्ष, गौशालाओं के संचालन के लिए पूरी तरह सरकार पर निर्भर नह होना चाहिए. सामाजिक संस्थाओं को आगे आने की जरूरत है. यदि प्रति व्यक्ति की ओर से जनभागीदारी हो जाए तो गौशालाओं का संचालन सुगम हो जाएगा.

झोपड़ावासियों के लिए सरकार की बड़ी घोषणा, झोपड़ा टूटने के ३ साल बाद बेच सकेंगे घर

मुंबई- मुंबई और उपनगरों के लाखों झोपड़ाधारकों के लिए राज्य सरकार ने राहत भरी खबर दी है। एसआरए स्कीम के तहत जिन झोपड़ाधारकों का घर टूट गया है अब वे झोपड़ा टूटने के तीन साल के भीतर उसे बेच सकते हैं। गृहनिर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में एसआरए परियोजना के सभी अधिकारी मौजूद

थे। एसआरए के तहत, मुंबई में कहीं भी केवल २.५ लाख घर ही उपलब्ध होंगे। राज्य के आवास मंत्री जितेंद्र आव्हाड के अनुसार, एक बार झोंपड़ी को हटा देने के बाद इसे ३ साल में बेचा जा सकता है। पहले यह मियाद १० वर्ष थी। अब २०११ के बाद पात्र स्लमवासियों को २.५ लाख रुपए का भुगतान करके एसआरए योजना के तहत घर मिलेगा। गृह निर्माण मंत्री ने दावा किया कि अब गरीब ढाई लाख रुपए में घर खरीद सकेंगे। जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि इससे लाखों झुग्गीवासियों को लाभ होगा। एसआरए स्कीम के तहत वर्षों से कई प्रोजेक्ट अधूरे पडे हैं, उन्हें जल्द शुरू किए जाने का निर्देश दिया गया है। नए निर्णय के बाद तीन वर्ष के भीतर झोपड़ाधारक अपना घर किसी को भी बेच सकते हैं। एसआरए में झोपड़ावासियों को राहत देने तीन मंत्रियों की एक समिति गठित की गई थी।

देश की सबसे अमीर महानगरपालिका ने पेश किया ४५,९४९ करोड़ का बजट, BEST को दिए ८०० करोड़

आम बजट के बाद गुरुवार को देश की सबसे अमीर महानगरपालिका के नाम से विख्यात महाराष्ट्र की बृहन्मुंबई महानगरपालिका का वित्तीय बजट भी पेश किया गया. बीएमसी ने साल २०२२-२३ के लिए ४५ हजार ९४०.७८ करोड़ रुपये

का बजट पेश किया, जिसमें कि पिछले साल के बजट के मुकाबले में १७.७०% बढ़ोतरी की गई है. यानी वित्तीय वर्ष २०२१-२२ में BMC का बजट ३९ हजार ३८.८३ करोड़ रुपये था.

इस बजट में कई तरह के नई उपक्रमों के जरिए बीएमसी के रेवेन्यू को बढ़ाने की भी तैयारी की गई है. उद्धव ठाकरे पर्यावरण मंत्री हैं, ऐसे में पर्यावरण को लेकर कई नीतियां बनाई गई हैं. क्लाइमेट एक्शन सेल का निर्माण किया गया है. इसके लिए १ करोड़ रुपये बजट की घोषणा की गई है. BMC कमिश्नर आईएस चहल ने बजट पेश करते हुए बताया कि मलाड में प्रस्तावित डीसैलिनैशन प्लांट के लिए २०० करोड़ रुपये आबंटित किए हैं, जिसकी क्षमता प्रतिदिन २०० मिलियन लीटर होगी. इसके अलावा मुंबई कोस्टल रोड प्रोजेक्ट के लिए ३,५०० करोड़ रुपये दिए गए हैं.

बृहन्मुंबई बिजली आपूर्ति और परिवहन की स्थिति बेहद गंभीर है. ऐसे में बेस्ट की तरक्की के लिए भी ८०० करोड की राशि दी जाएगी. बीएमसी ने गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड परियोजना के लिए १,३०० करोड़ रुपये का प्रावधान किया है. इस बार BMC डिजिटल विज्ञापन की अनुमति देकर कमाई के और रास्ते खोजेगी. फिलहाल BMC की एडवरटाइजमेंट पॉलिसी गाइडलाइन का ड्राफ्ट, राज्य सरकार के पास है और उसे मंजूरी का इंतजार है. बीएमसी का शिक्षा का बजट अलग से पेश किया जाता है जिसमें बीएमसी ने स्कूलों में २२४ कंप्यूटर लैब के लिए ११.२ करोड़ रुपये का बजट आवंटन किया गया है. साथ ही वर्चुअल ट्रेनिंग सेंटर के लिए ३८.०२ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है.

चीन ने हमारी ३८ हजार वर्ग KM जमीन पर कब्जा कर रखा है, संसद में बोली सरकार

चीन भारत की ३८ हजार वर्ग किलोमीटर जमीन पर लगातार अवैध कब्जा कर रहा है. यह काम वह पिछले ६ दशक से कर रहा है. ये बात सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में कही. विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने एक सवाल के लिखित जवाब में कहा कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पिछले ६ दशकों से चीन करीब ३८ हजार वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर रखा है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने १९६३ में अवैध रूप से कब्जा किए गए शक्सगाम घाटी के ५ हजार १८० वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र को अवैध रूप से चीन को सौंप दिया है. इससे पहले चीन के मुद्दे पर

कांग्रेस राहुल गांधी ने ३ फरवरी को को संसद में केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की थी. इस दौरान उन्होंने कहा था कि केंद्र की गलत नीतियों के चलते चीन और पाकिस्तान साथ हो गए. राहुल ने संसद में भारत सरकार की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा था, 'आपकी नीति ने चीन और पाकिस्तान को एकजुट करने का काम किया है और यह सबसे बड़ी चुनौती भारत के सामने है. राहुल ने कहा था कि चीन के पास एक क्लियर प्लान है और उसकी नींव डोकलम और लद्दाख में रखी है. भारत ने हाल ही में चीन के विंटर ओलंपिक का राजनायिक बहिष्कार करने का फैसला किया था, जिसका अमेरिका ने खुलकर स्वागत किया था.

आयुष विश्वविद्यालय और हरियाणा गौ सेवा आयोग करेंगे पंचगव्य औषधियों पर शोध

श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय एवं हरियाणा गौ सेवा आयोग के बीच पंचगव्य आधारित औषधियों पर शोध को लेकर ऑनलाइन समझौता ज्ञापन के लिए बातचीत हुई। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलदेव कुमार और हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग उपस्थित रहे। सार्थक बातचीत के बाद आगे भविष्य में कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय से रिसर्च एंड इनोवेशन विभाग के डायरेक्टर डॉ अनिल शर्मा व डॉ. रजनीकांत और आयोग की ओर से टेक्निकल एडवाइजर सुधीर राणा

को सदस्य नियुक्त कर दिए गए हैं। दोनों संस्था के बीच में पंचगव्य आधारित औषधियों पर शोध के साथ-साथ रोजगार स्वावलंबन के लिए गाय के गोबर आधारित खाद्य से औषधीय पौधों के उपजाने और उनकी गुणवत्ता जांच पर काम करने के लिए सहमति बनी है।

कुलपति डॉ. बलदेव कुमार ने आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यो की सराहना की और कहा कि गौवंश के संवर्धन और उत्पाद पर दोनों संस्थान मिलकर अच्छा काम कर सकते हैं। जिसमें शोध के सभी पैरामिटर आयुर्वेद और भारतीय परंपरा के अनुसार हों। विश्वविद्यालय का मकसद वैदिक परंपरा और विज्ञान को बढ़ावा देना है। पंजाब में एक शोध में पाया गया है गेहूं के कारण कुछ लोगों के शरीर में एलर्जी होने लगी है। ये एलर्जी गेहूं के छिलके में पाई गई है। पंचगव्य घृत और गो आर्क के संस्करण द्वारा रोग को ठीक किया जा सकता है। इसी तरह बहुत सारे रोग हैं जिन पर मिलकर काम किया जा सकता है।

गौ-संवर्धन योजनाः १० लाख तक ऋण से शुरू कर सकते हैं स्वयं का व्यापार, मदद कर रही है सरकार

पशुपालन विभाग की एक महत्वपूर्ण योजना है 'गौ-संवर्धन योजना'. इस योजना से बेरोजगार युवकों को गौ-पालन के लिए १० लाख तक का लोन मिलेगा. गौ-संवर्धन योजना में मार्जिन मनी सहायता के रूप में इकाई लागत का २५ प्रतिशत सामान्य वर्ग के लिये अधिकतम डेढ़ लाख तथा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के लिये ३३ प्रतिशत अधिकतम दो लाख रूपए प्रदान की जाएगी.

पशुपालक न्यूनतम ५ या इससे अधिक पशु की योजना स्वीकृत करा सकेगा तथा परियोजना की अधिकतम सीमा राशि दस लाख रूपए तक होगी. परियोजना लागत

का ७५ प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से प्राप्त करनी होगी तथा शेष राशि की व्यवस्था मार्जिन मनी सहायता एवं हितग्राही का स्वयं के अंशदान के रूप में करनी होगी.

आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना के तहत इकाई लागत के ७५ प्रतिशत पर या हितग्राही द्वारा बैंक से प्राप्त ऋण पर जो भी कम हो ५ प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से अधिकतम २५,००० रूपए प्रतिवर्ष ब्याज की प्रतिपूर्ति ७ वर्षो तक विभाग द्वारा की जाएगी. ५३ से अधिक शेष ब्याज दर पर ब्याज की प्रतिपूर्ति हितग्राही को स्वयं करना होगी. इस योजना का लाभ सभी वर्ग के लघु एवं सीमांत कृषक ले सकते हैं. हितग्राही के पास ५ पशुओं के लिये न्यूनतम एक एकड़ भूमि होना आवश्यक है तथा पशुओं की संख्या में वृद्धि होने से अनुपातिक रूप से न्यूनतम कृषि भूमि का निर्धारण किया जायेगा. आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना का मुख्य उद्देश्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति मे सुधार लाना, पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि और बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्रदाय करना है. योजना सभी वर्ग के हितग्राहीयों के लिए है. हितग्राही के पास ५ पशुओं हेतु न्यूनतम १ एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है तथा पशुओं की संख्या में वृद्धि होने से आनुपातिक रूप से वृद्धि करते हुए न्यूनतम कृषि भूमि का निर्धारण किया जाएगा, मिल्क रूट को क्रियान्वयन को प्राथमिकता होगी, जिसमें सभी वर्ग के सीमान्त एवं लघु कृषक शामिल हो सकेंगे.

पॉलिथीन खाने और भूख- प्यास से ५० गायों की मौतःगौ सेवकों ने किया प्रदर्शन, गौशाला के लिए भूमि आवंटन करने की मांग

पॉलिथीन खाने और भूख प्यास से ५० गायों की मौत हो गई। घटना के बाद लोगों ने गौशाला के लिए भूमि आवंटन की मांग की। पोस्टमार्टम के बाद गोवंश को दफनाया जाएगा। मामला सवाईमाधोपुर जिले का है।

मलारना डूंगर उपखंड मुख्यालय के नए सीएचसी भवन के पास कृषि फार्म है। फार्म पर आज ५० के करीब गोवंश मृत मिला। घटना से आक्रोशित गौसेवकों ने प्रदर्शन किया। गौशाला भूमि आवंटन की मांग की। एसडीएम योगेश कुमार डागुर, तहसीलदार किशन मुरारी मीणा, थाना अधिकारी धनराज मीणा, विकास अधिकारी दीपचंद नागर पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। गौसेवकों ने गौशाला के लिए भूमि आवंटन की मांग की। एसडीएम ने वेटनेरी टीम को मौके पर बुलाया। जिसके बाद वेटनरी ऑफिसर डॉ. राकेश बैरवा के नेतृत्व में टीम ने मृत गौवंश का पोस्टमार्टम किया।

डॉ. राकेश बैरवा ने बताया कि ४८ गौवंश के मृत मिलने के बाद

पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की है। प्रथम दृष्टया गौवंश की मौत पॉलिथीन का सेवन करने और भूख-प्यास और सर्दी के कारण हुई है। तहसीलदार किशन मुरारी मीणा ने बताया कि गौवंश के पोस्टमार्टम के बाद मृत गोवंश के शवों को दफनाया जाएगा।

सालभर में 65 लोगों ने गौ शाला में जन्म दिन मनाया, दान किए 7 लाख रुपए

जोधपुर- जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के गोद लिए सालावास गांव में जन्मदिन मनाओ-पुण्य कमाओ योजना के गुरुवार को एक साल पूरा होने के मौके पर कई कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। गांव के सरपंच ओमाराम पटेल ने अपना जन्मदिन मनाकर ३० हजार १११ रुपए की राशि गायों के चारे-पानी के लिए दी। इस मौके पर ग्रामीणों की ओर से पटेल का अभिनंदन किया गया। इसके अलावा गौशाला में पशु चिकित्सा उपकेंद्र के कार्यालय का उद्घाटन सरपंच और अन्य गणमान्य नागरिकों ने किया। अपाहिज गायों के समुचित रखरखाव और उनके आवास की व्यवस्था के लिए हॉल का शिलान्यास किया गया। गायों के चारा रखने के लिए ठान का भी शिलान्यास किया गया। इस मौके पर पूर्व सरपंच संतोकसिंह गहलोत, उप निरीक्षक नारायण सिंह, उप निरीक्षक ओमाराम, पंचायत समिति सदस्य पारस एंपा, मूलाराम सुथार, माली समाज अध्यक्ष संपतराज गहलोत, वार्ड पंच ओगडराम प्रजापत, जगदीश खन्ना सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

शहर के पास स्थित सालावास गांव में बीते एक वर्ष में ६५ ग्रामीणों ने अपना जन्मदिन गौशाला में मना कर गायों के चारे व पानी के लिए ७ लाख रुपए का दान दिया है। दरअसल विश्वविद्यालय ने सालावास गांव को विकास के लिए गोद लिया था और ३ फरवरी २०२१ को इस योजना की शुरुआत की। बीते १ वर्ष में बच्चे से लेकर बूढ़े तक युवा से लेकर महिला तक ने अपना जन्मदिन गौशाला में मनाकर अपनी श्रद्धा अनुसार गायों के लिए दान किया। न्यूनतम ५००० से लेकर अधिकतम १ लाख रुपए तक दान किए गए हैं। एक बार ऐसा भी समय आया जब एक साथ गांव की तीन पीढ़ियों की ओर से यहां जन्मदिन मनाया गया। राज्यपाल कलराज मिश्र की ओर से हाल ही में आयोजित दीक्षांत समारोह में भी इस योजना की प्रशंसा की गई। 'योजना को एक साल पूरा हो गया है। इस दौरान ६५ ग्रामीणों ने गौ शाला में जन्मदिन मनाकर गायों के चारे-पानी के लिए सात लाख रुपए का दान किया है।'

संपादकीय...
संजय शर्मा

बजट में खेती

एक साल से भी ज्यादा चले किसान आंदोलन के खत्म होने के बाद उम्मीद बनी थी कि केंद्र सरकार आगामी बजट में किसानों के उद्धार के लिए कुछ तो ऐसे कदम उठाएगी जिनसे वाकई उनका भला हो। पर वित्त वर्ष २०२२-२३ का जो बजट आया है, उसने किसान समुदाय को निराश ही किया है। कहने को बजट में सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए ऐसे नए कदमों का एलान किया है, जिनसे लग रहा है कि उसका जोर कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने पर कहीं ज्यादा है। किसानी को उच्च तकनीक यानी हाईटेक सुविधाएं मुहैया करवाने की बात कही गई है। जैसे खेती में ड्रोन का इस्तेमाल। आने वाले वक्त में किसान खेतों में फसलों की निगरानी और उन पर कीटनाशकों के छिड़काव जैसे काम के लिए ड्रोन का उपयोग कर सकेंगे। खेती और इससे जुड़े उद्योगों को डिजिटल तकनीक से संपन्न

किया जाएगा। खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने की कोशिश स्वागतयोग्य है और इसकी जरूरत से इनकार किया भी नहीं जा सकता। लेकिन ड्रोन का इस्तेमाल कितने किसान कर पाएंगे, यह भी देखना होगा। देश में छोटे और सीमांत किसानों की आबादी अस्सी फीसद से ज्यादा ही है। किसानों का यह तबका जिन मुश्किल हालात में खेती करता है, वह किसी से छिपा नहीं है। बीज, खाद से लेकर सिंचाई के लिए पानी और बिजली जैसी समस्याएं कहीं ज्यादा बड़ी और गंभीर हैं। ऐसे में किसान आधुनिक तकनीक को कितना अपना पाएगा, यह कम बड़ा सवाल नहीं है।

जिन किसानों की माली हालत ही खराब है, वे ड्रोन जैसी तकनीक खरीदने या उसके इस्तेमाल के बारे में तो सोच भी नहीं सकते। आज भी ऐसे गांवों की संख्या कम नहीं है जहां इंटरनेट, कंप्यूटर जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं पहुंची हैं। ऐसे में कैसे किसान डिजिटलीकरण का लाभ उठा पाएंगे? गांवों में कृषि उत्पादों का कारोबार कैसे जोर पकड़ेगा? किसानों को आधुनिक तकनीक से युक्त करने से पहले उनकी बुनियादी समस्याओं पर गौर करना कहीं ज्यादा जरूरी है। मुश्किल यह है कि देश का अन्नदाता ही सबसे गरीबी की हालत में है। ऐसे में क्या उन प्रयासों पर विचार नहीं होना चाहिए जो किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मददगार साबित हों? सरकार कृषि और किसान के उत्थान के लिए जैसे लंबे-चौड़े दावे करती रही है, उसकी हकीकत प्रस्तावित बजट से पता चल जाती है। वर्ष २०२१-२२ के बजट में कृषि क्षेत्र के लिए १.२३ लाख करोड़ रुपए का प्रावधान था, जिसे संशोधन के बाद १.१८ लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था। इस बार बजट में १.२४ लाख करोड़ रुपए रखे गए हैं। यानी एक फीसद से भी कम बढ़ोतरी! ऐसे में किसान को हाईटेक बनाने का सपना कैसे पूरा होगा, सोचने की बात है। हैरानी यह है कि कीटनाशकों पर जीएसटी अभी अठारह फीसद है, जिसे किसान पांच फीसद करने की मांग कर रहे हैं। किसान आंदोलन की एक बड़ी मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी रूप देने की थी, पर बजट में इसका कहीं कोई संकेत नहीं है। आज भी गन्ना किसान अपने बकाया पैसे के लिए भटक रहे हैं। उन्हें उम्मीद थी कि महामारी संकट को देखते हुए किसान सम्मान निधि का पैसा बढ़ाया जाएगा, पर बजट में इसके लिए भी कुछ नहीं कहा गया। साल २०२२ तक किसानों की आय दो गुनी करने का वादा कैसे पूरा होगा, कोई नहीं जानता।

योगी के नामांकन में पहुंचे अमित शाह ने समझाया गोरखपुर का नया मतलब

लखनऊ/गोरखपुर: गोरखपुर से पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने जा रहे सीएम योगी आदित्यनाथ का नामांकन कराने के लिए केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी पहुंचे। यहां अमित शाह ने गोरखपुर के नाम का नया मतलब भी प्रदेश की जनता को समझाया। उन्होंने इसे गंगा एक्सप्रेसवे, ऑर्गेनिक कृषि, रोड, एम्स, खाद के कारखाने, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर गोरखपुर से जोड़ा। यहां शाह ने उत्तर प्रदेश की जनता से प्रचंड बहुमत देकर ३०० पार पहुंचाने का वादा भी लिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सपा की लिस्ट समेत किन तीन जगहों पर माफिया मिलते हैं।

गोरखपुर में अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा उत्तर प्रदेश के इतिहास में बीजेपी २०१४, २०१७, २०१९ में जनता ने प्रचंड बहुमत दिया। बीजेपी यहां एक फिर ३०० पार के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर तक आवाज जानी

चाहिए कि बीजेपी ३०० पार करने वाली है। कहा कि मुझे यहां आने पर २०१३ भी याद आता है। मुझे यूपी का प्रभारी बनाया गया, तब लोग कहते थे कि यूपी में बीजेपी दो अंकों में नहीं पहुंचेगी। लेकिन विपक्ष को दो अंकों तक नहीं पहुंचने दिया। २०१७ में हमें जनता ने ३०० पार पहुंचाया। योगी जी को सीएम बनाया गया। २०१९ में मोदी जी के नेतृत्व में भी हमने ६५ सीट जीतीं। गोरखपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज मुझे गोरखपुर से नामांकन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी का सानिध्य मिल रहा है। पीएम मोदी और अमित शाह ने देश से ३७० हटाने का कार्य किया। यूपी में पांच वर्षों के दौरान डबल इंजन की सरकार ने सभी की अपेक्षाओं पर उतरने का प्रयास किया है।

आगरा में बोलीं मायावती- मैं सबको आजाद कराऊंगी; यूपी पुलिस के ऑनलाइन रेकॉर्ड को देखें

लखनऊ- यूपी फतह के लिए सभी दल अपनी पूरी ताकत झोंक दे रहे हैं। दलित वोटरों का गढ़ कहे जाने वाले आगरा में बुधवार को यूपी विधानसभा चुनाव की अपनी पहली जनसभा को बसपा सुप्रीमो मायावती ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी पाटिर्यों को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने यूपी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों के ऊपर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। यूपी पुलिस के ऑनलाइन रेकॉर्ड को देख लें। वहीं, उन्होंने कहा कि मैं सबको आजाद कराऊंगी। खासकर, धरना-प्रदर्शन कर रहे लोगों के ऊपर जो मुकदमे दर्ज किए गए हैं, सरकार आने पर उनकी सही से जांच कराकर खत्म कराऊंगी। बीजेपी

की सरकार में निदोष लोगों से जेलें भर दी गई हैं। उनको खाली कराकर यहां आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को रखा जाएगा। बुधवार को आगरा पहुंची मायावती ने कहा कि मीडिया सर्वे और ओपिनियन पोल में मेरी पार्टी का बहुत गलत आकलन किया जा रहा है। ओपिनियन पोल २००७ में भी हमारी पार्ट का गलत आकलन किया गया था, लेकिन बसपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई थी। मायावती ने सबसे ज्यादा बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने विकास नहीं किया, सिर्फ वह विकास का दिखावा कर रही है। बीजेपी सरकार जो भी योजनाएं चला रही हैं, वह बसपा सरकार की हैं। इन्होंने केवल उसका स्वरूप बदल कर लागू किया है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद अपराधियों पर बुल्डोजर चलेगा : योगी

मथुरा- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद उनके खिलाफ 'बुल्डोजर' चलेगा।

मुख्यमंत्री छाता विधानसभा क्षेत्र के तरौली गांव में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अपराधियों द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण कार्यो का संदर्भ देते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''१० मार्च के बाद असामाजिक तत्वों और माफिया के खिलाफ बुल्डोजर चलेगा।'' उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता को लेकर उन्हें 'नोटिस' भेजे जाएंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि पिछले सप्ताह बदमाशों की गोली से मरे ग्राम प्रधान रामवीर के हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा।

योगी ने पूर्ववर्ती सपा सरकार के कार्यकाल में मथुरा के कोशी कलां और मुजफ्फरनगर दंगों का संदर्भ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा कार्यकर्ताओं के भड़काने पर हुए दंगों में हिन्दुओं की जान गयी और व्यापारियों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

चुनावी आचार संहिता के उलुंघन को लेकर कांग्रेस नेताओं हार्दिक पटेल, अजय राय को नोटिस

वाराणसी- जिला प्रशासन ने चुनावी आचार संहिता के उलुंघन को लेकर कांग्रेस नेताओं हार्दिक पटेल

और पूर्व विधायक अजय राय को नोटिस जारी कर उनसे ४८ घंटों के भीतर जवाब मांगा है। उपजिलाधिकारी/पीठासीन अधिकारी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के मद्देनजर लागू आचार संहिता के उलुघंन को कांग्रेस नेताओं हार्दिक पटेल तथा अजय राय से ४८ घंटे के भीतर नोटिस का जवाब देने को कहा है। जवाब नहीं देने पर उनके खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है दो दोनों पर ३० जनवरी को एक कार्यक्रम में पूर्वानुमति के बगैर २००-२५० लोगों की भीड़ एकत्र करके कोविड प्रोटोकॉल तथा आचार संहिता का उलुंघन करने का आरोप है।

अखिलेश और ममता में हुआ करार यूपी चुनाव नहीं लड़ेगी TMC- ललितेश पति त्रिपाठी

मिर्जापुर: आगामी यूपी चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ेगी, बल्कि महागठबंधन के लिए तृणमूल कांग्रेस हरसंभव प्रयास और प्रचार करेगी। इस बात की जानकारी टीएमसी नेता ललितेश पति त्रिपाठी ने ट्वीट कर साझा की है । ललितेश के ट्वीट से उन तमाम अटकलों पर विराम लग गया है, जिसमें कहा जा रहा था कि टीएमसी भी यूपी चुनाव में हिस्सा लेगी और खुद ललितेश मिर्जापुर की मड़िहान सीट से चुनाव लड़ेंगे। ललितेश ने शनिवार को

ट्वीट कर तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए लिखा है कि १८ जनवरी को एसपी और टीएमसी के बीच हुई बैठक में ही यह तय हो गया था कि टीएमसी यूपी का चुनाव नहीं लड़ेगी, बल्कि महागठबंधन के लिए हरसंभव प्रयास और प्रचार करेगी। यही नहीं ललितेश ने १८ जनवरी को बैठक के बाद एसपी प्रदेश उपाध्यक्ष किरमय नंदा के बयान का भी हवाला दिया है, जिसमें उन्होंने मीटिंग के बाद लिए गए निर्णय की जानकारी दी थी। हालांकि, इस बात की चर्चा थी कि मिर्जापुर के मड़िहान सीट से काग्रेस छोड़ कर तृणमूल कांग्रेस ज्वॉइन करने वाले ललितेशपति त्रिपाठी इसी विधानसभा से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। ललितेश ने खुद ट्वीट कर अटकलों पर विराम लगा दिया है। यूपी में काग्रेस के कद्दावर नेता रहे त्रिपाठी परिवार पहली बार चुनाव से दूर रहेगा।

योगी की साफ-सुथरी छवि से चुनाव में भाजपा को होगा फायदा -अरुण सिंह

मथुरा- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अरुण सिंह ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साफ सुथरी छवि का लाभ पार्टी को निश्चित रूप से मिलेगा क्योंकि विपक्षी दलों के नेताओं की तरह उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि उनकी पार्टी की सरकार ने राज्य में गरीबों के कल्याण को प्राथमिकता दी है,

जिसने जरूरतमंदों को मुफ्त राशन, महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पैसे का हस्तांतरण, बेहतर कानून व्यवस्था और दंगों को खत्म करना सुनिश्चित किया है। भाजपा नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राज्य के लोगों ने अंतर को महसूस किया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अतीत में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती पर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के खिलाफ एक रुपये के भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया गया है। पार्टी को राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में इसका फायदा मिलना तय है। भाजपा नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी ४०३ में से ३०० से अधिक सीटों पर जीतेगी और सत्ता में वापसी करेगी।

भारत वर्ष में गाय को माता के समान माना जाता है

आदि काल से भारत वर्ष में गाय को माता के समान माना जाता है। गाय को मां समझ कर उसकी सेवा की जाती है। गाय वास्तव में सारे जगत की माता है। 'मातरः सर्व भूतानाम गावः सर्व फल प्रदाम' वह धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के साथ-साथ और भी कोई फल है तो भी प्रदान करती है।

गौ-माता पृथ्वी, प्रकृति और परमात्मा का प्रगट स्वरूप है। स्वयं भगवान विष्णु ने मनुष्य अवतार धारण कर गौ सेवा की एवं गोपाल कृष्ण कहलाए, रामावतार में गौ-माता का रूप पृथ्वी ने धारण किया, भगवान राम के पूर्वज महाराजा दिलीप ने नन्दनी गौ की सेवा कि इसी से रघुवंश चला, भगवान शिव का वाहन नन्दी है। आदि तीर्थंकर ऋशभ देव का चिन्ह बैल है, गौ-माता में ३३ कोटी देवताओं का वास है। गौ-माता की सेवा ही सच्ची राम-कृष्ण की सेवा है। जिस घर में गौ-माता रहती है उस परिवार को मन्दिर या तीर्थ जाने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि प्रभु स्वयं २४ घण्टे में एक बार अवश्य उस घर में जाते है इसलिए वह घर स्वयं मन्दिर हो जाता है। गोबर में लक्ष्मी व गौमूत्र में गंगा का वास होता है, भगवान बुद्ध को बुद्धतत्व की प्राप्ति सुजाता द्वारा प्रदत गौ दूध की खीर से हुई। बाईबल व कुरान में भी गौ-माता की महिमा को लिखा है।

जिस प्रकार वैज्ञानिकों ने सृष्टि के रहस्यों की खोजकर आधुनिक पदार्थ विज्ञान का विकास किया है, उसी प्रकार आध्यात्मिक मनीषियों ने जीवन और सृष्टि दोनों के रहस्यों को खोजकर 'गो विज्ञान' का विकास किया। वस्तुत गो-विज्ञान सारी दुनिया को भारत की अनुपम देन है। भारतीय मनीषियों ने सम्पूर्ण गौवंश को मानव के अस्तित्व, रक्षण, पोषण, विकास और संवर्धन के लिए अनिवार्य बना दिया था। 'गो दुग्ध' ने जन समाज को विशिष्ट शक्ति, बल व सात्विक बुद्धि प्रदान की। गोबर गोमूत्र ने खेती को पोषण दिया, बैल उर्जा ने कृषि, भ ारवाहन, परिवहन तथा ग्रामोद्योग के लिए सम्पूर्ण टेक्नालॉजी विकसित करने में मदद की। इसीलिए गौ सेवा व गोचर भारतीय जीवन शैली व अर्थव्यवस्था के सदैव केन्द्र बिन्दु रहे है। गांव प्रधान व कृषि प्रधान जैसी विशिष्टताओं वाले अपने राष्ट्र के लिए इसका कोई विकल्प नही है। वैदिक सनातन धर्म में गाय को माता के समान सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। गाय सदैव कल्याणकारिणी तथा पुरुषार्थ-चतुष्टय की सिद्धि प्रदान करने वाली है। मानव जाति की समृद्धि गाय की समृद्धि के साथ जुड़ी हुई है।

गाय का आध्यात्मिक महत्व

गाय का विश्व स्तर पर आध्यात्मिक महत्व है, ''गावो विश्वस्य मातरः''। नवग्रहों सूर्य, चंद्रमा, मंगल, राहु, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, केतु के साथ साथ वरूण, वायु आदि देवताओं को यज्ञ में दी हुई प्रत्येक आहुति गाय के घी से देने की परंपरा है, जिससे सूर्य की किरणों को विशेष ऊर्जा मिलती है। यही विशेष ऊर्जा वर्षा का कारण बनती है, और वर्षा से ही अन्न, पेड़-पौधों आदि को जीवन प्राप्त होता है। हिंदू धर्म में जितने धार्मिक कार्य, धार्मिक संस्कार होते हैं जैसे नामकरण, गर्भाधान, जन्म आदि सभी में गाय का दूध, गोबर, घी, आदि का ही प्रयोग किया जाता है जहां विवाह संस्कार आदि होते हैं वहां भी गोबर के लेप से शुद्धिकरण की क्रिया करते हैं। विवाह के समय गोदान का भी बहुत महत्व माना गया है। जनना शौच और मरणाशौच

मिटाने के लिए भी गाय का गोबर और गौमूत्र का प्रयोग किया जाता है। इसकी धार्मिक वजह यह भी है कि गाय के गोबर में लक्ष्मी जी का और गोमूत्र में गंगा जी का निवास है।

वैतरणी पार करने के लिए गोदान की प्रथा आज भी हमारे समाज में मौजूद है, श्राद्ध कर्म में भी गाय के दूध की खीर का प्रयोग किया जाता है क्योंकि इसी खीर से पितरों की ज्यादा से ज्यादा तृप्ति होती है। पितर, देवता, मनुष्य आदि सभी को शारीरिक बल गाय के दूध और घी से ही मिलता है। गाय के शारीरिक अंगों में सभी देवताओं का निवास माना जाता है। गाय की छाया भी बेहद शुभ प्रद मानी गयी है। गाय के दर्शन मात्र से ही यात्रा की सफलता स्वतः सिद्ध हो जाती है। दूध पिलाती गाय का दर्शन तो बेहद शुभ माना जाता है।

गौ के प्रति श्रद्घाभाव रखने से ही बचेगी मानवता : रविकांतसिंह

गौमाता इस देश के लिए प्राचीन काल से ही पूजनीया रही है। उसके गुणों से प्रभावित होकर ही हमारे पूर्वजों ने गाय को यह सम्मानित स्थान दिया था। यही कारण है कि आज तक भी इस देश में गौमाता के प्रति सम्मान व्यक्त करने वाले, उसकी रक्षा को अपना जीवनव्रत घोषित करके चलने वालों की देश में कमी नही है। ऐसी ही एक शख्सियत हैं-श्री रविकांतसिंह। जिन्होंने मध्य प्रदेश के जनपद मैहर में गौशाला का निर्माण कराया है। श्री सिंह स्वभाव से गौ प्रेमी हैं, उनका कहना है कि गौसेवा का संकल्प उन्होंने अपने माता-पिता से लिया। घर के धार्मिक और सांस्कृतिक परिवेश का प्रभाव उन पर पड़ा और वह गीता, गंगा व गाय के प्रति बचपन से ही श्रद्घावान बन गये। श्रीसिंह ने हमें बताया कि गौमाता के प्रति श्रद्घावान रहकर ही उन्हें

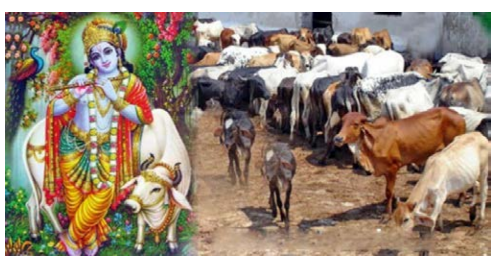

इस गौशाला के निर्माण की प्रेरणा मिली। जिसकी आधारशिला २८ दिसंबर २०१५ को वैदिक विधि विधान से रखी गयी थी। माता-पिता के प्रति श्रद्घालु श्री सिंह ने इस गौशाला की आधारशिला अपने पूज्य पिताश्री डा. आर.ए.सिंह व माता श्रीमती नीलासिंह द्वारा रखबायी थी। श्री डा. आर.ए.सिंह सेवा निवृत्त प्रोफेसर हैं, जे.पी. यूनिवर्सिटी बिहार में मनोविज्ञान विभाग में एस.ओ.डी. के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं, और जिन्हें एक शिक्षाविद के रूप में जाना जाता है।

श्री रविकांतसिंह का कहना है कि केन्द्र की भाजपा सरकार गौमाता के प्रति एक अच्छा और अनुकरणीय दृष्टिकोण रखती है। जिसके चलते भारत की गौसंस्कृति की रक्षा की पूर्ण संभावना है। उनका मानना है कि गौ को किसी संप्रदाय विशेष से जोड़ कर देखा जाना एकदम गलत है। गौ का पंचगव्य यदि सभी के लिए समान रूप से हितकारी है तो गौ के प्रति सबका सम्मान भाव भी समान रूप से होना आवश्यक है। गौ का अस्तित्व बचाये रखने का अभिप्राय है मानवता का अस्तित्व बचाये रखना। आज देश को ही नही अपितु संपूर्ण मानवता को ही गौमाता की रक्षा की आवश्यकता है। इसी दृष्टिकोण से इस गौशाला की स्थापना की गयी है। जिसमें इस समय लगभग २५० गायें हैं। श्री सिंह का कहना है कि भविष्य में वे इस गौशाला में देश की सारी नस्लों की गायों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे, जिससे कि गौवंश की रक्षा की जा सके। क्योंकि गौवंश की कई नस्लों की गायों पर इस समय अस्तित्व का संकट मंडरा रहा है, इसलिए हम गौशाला को एक आदर्श गौशाला बनाना हमारा उद्देश्य है।

Govt getting ready to sell IDBI Bank, may keep some stake: Top official

The Centre will come out with an expression of interest (EOI) for the sale of IDBI Bank by the end of March but may not offload its entire stake in the bank in one go, Department of Investment and Public Asset Management (DIPAM) Secretary Tuhin Kanta Pandey said.

The government will also file the Draft Red Herring Prospectus (DRHP), or the primary prospectus, of Life Insurance Corporation (LIC) with the market regulator next week, and expects to list it on stock exchanges by the end of the financial year.

LIC, which currently holds management stake in IDBI Bank, has 49.24 per cent shareholding, while the Central government holds another 45.48 per cent

stake in the bank. The non-promoter shareholding in the bank currently stands at 5.29 per cent. "We had detailed consultations with the Reserve Bank of India (RBI) and have worked out the process. There are licences involved and we do not want any uncertainty after the financial bids are placed. We plan to sell LIC's and the government's stake together and the LIC's management control will be passed on. But not the entire (stake) may go," Pandey told The Indian Express.

The sale of IDBI Bank will be the first such case of "voluntary discovery" of the buyer through an open bidding process; in similar cases, banks have been sold to buyers only under distress situations. "So far RBI has been doing it in a distress situation using their powers. But here, it will be a voluntary discovery of a buyer through an open bidding process. Such a thing has not taken place so far. This is the first instance," Pandey said.

The entire stake, however, may not be offloaded at one go as the new bidder will have to infuse fresh equity into IDBI Bank, he said, adding that the bidder may choose not to pay off the government and LIC's shareholding. Asked whether the government would sell at least 51 per cent stake, Pandey said that it did not matter as the voting shares in case of banks were capped. "In case of banks, the voting shares are capped at 26 per cent. So even if we have 51 (per cent stake), the voting is capped.

Strong Tremors Felt In Delhi, Noida, J&K After Earthquake In Afghanistan

New Delhi: Tremors were felt in Jammu and Kashmir, Delhi and nearby cities this morning after a magnitude 5.7 earthquake with its epicentre in the Afghanistan-Tajikistan

border region was reported.

Some residents in Uttar Pradesh's Noida tweeted the ground shook for at least 20 seconds. People in Delhi also tweeted they felt the tremor.

"I thought my head is spinning and started to shut my eyes when suddenly I looked at the fan and realised it's an earthquake. Strong tremors felt for about 25-30 seconds in Noida," Shashank Singh, a resident of the city neighbouring Delhi, tweeted.

The National Centre for Seismology tweeted the earthquake of magnitude 5.7 occurred at 9:45 am at the Afghanistan-Tajikistan border region. The depth of the earthquake was 181 km, it said.

Prime Minister Narendra Modi called the Jammu and Kashmir Lieutenant Governor to ask about the situation in the Union Territory after tremors were felt, government sources said.

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे नाम से खुलेंगे हेल्थ सेंटर, मुंबईकरों को अब घर के पास मिलेगा

मुंबई- कोरोना को कंट्रोल करने में विश्व में रोल मॉडल बनी बीएमसी प्राइमरी हेल्थ पर ज्यादा जोर दे रही है। इसलिए मौजूदा डिस्पेंसरियों, हेल्थ पोस्ट और मैटरनिटी होम को अपग्रेड करने की योजना बीएमसी ने बनाई है। इस अपग्रेडेशन के जरिये बीएमसी हेल्थ केयर सेंटर शुरू करने जा रही है। इसके शुरू होने से मुंबईकरों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। हेल्थ केयर सेंटर्स के लिए वर्ष २०२२-२३ के आर्थिक बजट में २५० करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह हेल्थ सेंटर हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे के नाम से जाने जाएंगे।

बता दें कि देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी ने साल २०२२-२०२३ का आर्थिक बजट गुरुवार को पेश किया। बीएमसी ने जनता की सेहत का ख्याल रखते हुए इस बार के बजट में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए ६९३३.४५ करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। अपने कुल बजट का १५ प्रतिशत बीएमसी स्वास्थ्य सुविधाओं पर खर्च करनेवाली है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष का स्वास्थ्य बजट ४६ फीसदी अधिक है। पिछले वर्ष बीएमसी का हेल्थ बजट ४७२८.५३ करोड़ रुपये था। पिछले वर्ष कुल बजट का १२ फीसद स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रावधान किया गया था। मुंबईकरों को उनके घर के पास

ही प्राइमरी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए हेल्थ सेंटर शुरू करने की घोषणा बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने अपने बजट भाषण में की है। कमिश्नर का मानना है कि इन सेंटरों के शुरू होने से प्राइमरी स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर होंगी और प्रमुख व उपनगरीय अस्पतालों पर पड़ने वाला भार कम होगा। इससे प्रमुख व उपनगरीय अस्पतालों में गंभीर रोगियों के इलाज पर ज्यादा ध्यान दिया जा सकेगा।

बीएमसी ने २०० 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे हेल्थ सेंटर' शुरू करने की योजना बनाई है। इसमें से पहले चरण में १०० हेल्थ केयर सेंटर शुरू किए जाएंगे। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने बताया कि ये सेंटर बीएमसी द्वारा संचालित किए जाएंगे। हालांकि इसमें से कुछ सेवाएं आउटसोर्स की जाएंगी। कुछ डिस्पेंसरीज को अपग्रेड कर ये सेंटर्स बनाए जाएंगे, जबकि कुछ जगहों पर नए शुरू किए जाएंगे।

इन सेंटरों में १३९ किस्म की जांच और डायग्नोस्टिक टेस्ट जैसे एक्स-रे, सीटी स्कैन, मैमोग्राफी आदि रियायती दरों पर हो सकेंगी। केईएम, सायन, नायर और कूपर अस्पताल के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स इन सेंटर्स में टेलीमेडिसिन के जरिये उपलब्ध होंगे। हृदय रोग, डायबीटीज, कैंसर आदि के लिए जांच कार्यक्रम भी इन सेंटर्स पर आयोजित किए जाएंगे।

We need someone 'honest' at top in Punjab: Navjot Singh Sidhu

Days before the Congress is to take a call on its CM face, PCC president Navjot Singh Sidhu on Friday said Punjab needed someone "honest" at the top who could make a difference.

Sidhu said the real fight was to choose between mafia and Punjab. "People feel deceived. They want a change. Not given an honest choice, voters will select another option (party)," he said. The PCC chief argued that to "resurrect" Punjab, a road map was needed and more importantly, a person who could implement that. "Your destiny depends on what or who you choose. It is choice, not chance, that determines your destiny. The policy-driven road map is there, but the question is who will implement it. It all depends on the CM, who should have the moral authority and ethics to make it happen. If one at the top is part of the land, sand or liquor mafia, he can never implement the agenda," he said. Sidhu said the Congress high command had to live up to its legacy of attaining Independence for the country and providing it the Constitution. He said he was confident the decision (on CM face) would be taken while keeping Punjab's interests and mood on mind. Asked if he would accept the party's decision, Sidhu said: "There is no question of my accepting it or not. The voice of the people is the voice of God." Addressing his supporters on Thursday evening, Sidhu had claimed that the "people sitting at the top wanted a weak CM, someone who danced to their tunes".

अनिल देशमुख ने वाजे से बयान बदलने को कहाः परमबीर सिंह का आरोप

सिंह ने ईडी को दिए अपने बयान में ये आरोप लगाए, जो पिछले महीने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री देशमुख के खिलाफ एजेंसी द्वारा दायर आरोपपत्र का हिस्सा है। २०२१ में पुलिस बल से बर्खास्त किए गए वाजे ने गत दिसंबर में जांच आयोग के सामने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने देशमुख को कोई भुगतान किया था। उन्होंने देशमुख के इशारे पर मुंबई में बार और रेस्तरां से पैसे लेने से भी इनकार किया था। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) के यू चांदीवाल आयोग परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रहा है। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)

और ईडी देशमुख के खिलाफ अलग-अलग जांच कर रहे हैं। देशमुख अभी न्यायिक हिरासत में है। ईडी को दिए अपने बयान में, सिंह ने कहा, ''मुझे सूत्रों से पता चला है कि अनिल देशमुख ने ३० नवंबर, २०२१ को चांदीवाल आयोग के (कार्यालय) में सचिन वाजे से मुलाकात की और उनसे प्रवर्तन निदेशालय को दिए गए अपने बयान को वापस लेने का अनुरोध किया।'' गौरतलब है कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के नजदीक २५ फरवरी को एक स्कॉर्पियो कार में जिलेटिन की छड़ें मिली थीं। ठाणे के कारोबारी मनसुख हिरन ने तब दावा किया था कि यह कार एक सप्ताह पहले चोरी की गयी थी और उस समय उनके पास थी।

गैंगस्टर सुरेश पुजारी को जबरन वसूली के एक और मामले में हिरासत में लिया गया

मुंबई- मुंबई पुलिस ने १० करोड़ रुपये की जबरन वसूली के एक मामले में गैंगस्टर सुरेश पुजारी को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी

ने बृहस्पतिवार को बताया कि मुंबई के चेंबूर पुलिस थाने में दर्ज जबरन वसूली के एक मामले में पुजारी वांछित है। उन्होंने कहा कि यह मामला एक शेयर दलाल की शिकायत पर दर्ज कराया गया था और अपराध शाखा ने इस मामले में पूछताछ के लिए पुजारी को हिरासत में लिया है। अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कम से कम १० लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और सुरेश पुजारी उनका सरगना है। आरोपियों के विरुद्ध महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत मामला दर्ज है। अधिकारी ने कहा कि बृहस्पतिवार को पुजारी को एक अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे आठ फरवरी तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया।

'It's shocking… will protest': Smriti targets CM over liquor policy

Union Minister Smriti Irani Friday targeted the Delhi government's new excise policy and said it was "shocking that liquor vends were being opened near schools and religious places". Speaking at a virtual rally organised by the Delhi BJP, she claimed that Chief Minister Arvind Kejriwal, "the leader who talked of Swaraj and wrote in his book about picketing liquor shops and shutting them down, was now exploring opportunities to open liquor shops in each ward". Months before the MCD elections in the capital, the Delhi BJP has been protesting against the new liquor policy.

Irani said that the BJP would continue its protest until the policy is withdrawn. "The Kejriwal government has given a message to the society, that it is ready to go to any lengths for profit. I want to ask the AAP government who will be answerable for families that will be destroyed in this quest… if money earned through liquor can ever help in development," she said.

Deputy Chief Minister Manish Sisodia had earlier said that liquor shops have not increased in Delhi — in 2015 there were 850 liquor shops, and under the new excise policy, only 501 were opened.

गिरोह की भांति काम कर रही महा विकास आघाडी सरकारः पाटिल

मुंबई- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी की गठबंधन सरकार एक 'गिरोह' की तरह काम कर रही है। उन्होंने राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख द्वारा कथित तौर पर पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण में हस्तक्षेप करने की खबरों पर यह बयान दिया। पाटिल ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'महा विकास आघाडी की सरकार का कामकाज एक गिरोह की तरह है। भाजपा विधायक नितेश राणे की गिरफ्तारी के मामले में भी सरकार सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया को भी नजरअंदाज कर रही हैष्ठ हमारे नेताओं के साथ जैसा बर्ताव किया जा रहा है उसे भाजपा कभी नहीं भूलेगी।' हत्या के कथित प्रयास के एक मामले में आज नितेश राणे ने सिंधुदुर्ग की एक अदालत के सामने समर्पण कर दिया।

नितेश, केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे हैं। इससे पहले ऐसी खबरें आ रही थीं कि राज्य के एक पूर्व मुख्य सचिव ने प्रवर्तन निदेशालय को सूचना दी है कि उसे तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख द्वारा, स्थानांतरण के लिए पुलिस अधिकारियों की सूची दी गई थी। देशमुख ने कथित तौर पर ईडी को बताया कि उक्त सूची उन्हें किसी अन्य पार्टी से संबंधित मंत्री ने दी थी। एक सवाल के जवाब में पाटिल ने कहा, 'पहले देशमुख ने कहा था अगर वह मुंह खोल देंगे तो बहुत से लोगों के राज खुल जाएंगे। मुझे इससे एक बंदर मां की कहानी याद आती है जो खुद को डूबने से बचाने के लिए अपने बच्चे के सिर पर खड़ी हो जाती है। एमवीए सरकार के साथ यही हो रहा है।'

માત્ર બે વર્ષની બાળકીનું કોરોનાથી મોત : બાળકીને કોઇ અન્ય બીમારી નહતી

વડોદરા,કરજણમાં રહેતા શ્રમજીવી પરવિારની માત્ર બે વર્ષની બાળકીને કોરોના થતા તેને સારવાર માટે સયાજી હોસ્પટિલમાં દાખલ કરવામાં આવી હતી.આજે તેનું સારવાર દરમયિાન મોત થયું છે.બાળકીને

કોઇ જ બીમારી નહતી.કોરોનાની ત્રીજી લહેરમાં બે વર્ષની બાળકીના મોતનો આ પ્રથમ કસ્સિો છે.

કોરોનાની ત્રીજી લહેર વધુ ઘાતક બની રહી છે.સયાજી હોસ્પટિલમાં સારવાર લેતી કરજણના શ્રમજીવી પરવિારની માત્ર બે વર્ષની બાળકીને કોરોના થતા તેને સારવાર માટે અઠવાડયિા પહેલા સયાજી હોસ્પટિલમાં દાખલ કરવામાં આવી હતી.પરંતુ,કોરોના તેને ભરખી ગયો હતો.બાળકીને અઢી મહનિા પહેલા ન્યૂમોનયિા થયો હતો.અને સયાજી હોસ્પટિલમાં સારવાર માટે દાખલ કરવામાં આવી હતી.ત્યારબાદ તેની તબયિત સુધરી જતા તેને રજા આપવામાં આવી હતી. ઉલ્લેખનીય છે કે,વડોદરામાં સૌથી નાની વયની બાળકીના મોતનો ત્રીજી લહેરનો આ પ્રથમ કસ્સિો છે.અગાઉ ગોત્રી હોસ્પટિલમાં ત્રણ વર્ષની બાળકીનું મોત થયું હતું. પરંતુ,આ બાળકીને એનમિયિાની બીમારી હતી. આ ઉપરાંત સયાજીમાં સારવાર લેતા નાની છીપવાડના ૬૦ વર્ષના વૃદ્ધ તથા માંજલપુરના ૮૬ વર્ષના વૃદ્ધના મોત થયા છે.૬૦ વર્ષના વૃદ્ધે વેક્સનિ લીધી હતી કે કેમ ? તે જાણી શકાયુ નથી.જ્યારે ૮૬ વર્ષના વૃદ્ધે બંને ડોઝ લીધા હતા.

ગોત્રી હોસ્પટિલમાં સારવાર લેતા લુણાવાડાના ૭૬ વર્ષના વૃદ્ધનું મોત થયું છે.વૃદ્ધે વેક્સનિના બંને ડોઝ લીધા હતા.

રફ હીરાની ખરીદીના પેમેન્ટના 5.86 લાખના ચેક રીટર્ન કેસમાં એક વર્ષની કેદ

સુરત- પાંચેક વર્ષ પહેલાં રફ ડાયમંડની ખરીદીના પેમેન્ટ પેટે આપેલા રૂ.8.86 લાખના ચેક રીટર્ન કેસમાં આરોપીને આજે એડીશ્નલ ચીફ જ્યુડીશ્યલ મેજીસ્ટ્રેટ વક્રિમ સોલંકીએ દોષી ઠેરવી એક વર્ષની કેદ,ફરયિાદીની ત્રીસ દવિસમાં ચેકની બમણી રકમ પેટે રૂ.11.72વળતર પેટે ચુકવવામાં કસુર કરે તો વધુ ત્રણ માસની કેદની સજા ફટકારતો હુકમ કર્યો છે.

વેડરોડ સ્થતિ ગોકુલ રો હાઉસમાં રહેતા ફરયિાદી ધનશ્યામ હીરાભાઈ વીરડીયાએ બ્રોકર ભરત છગન નાવડીયા મારફતે થયેલા સંપર્કના કારણે આરોપી અલ્પેશ વલ્લભ ઈટાલીયા (રે.

બળવંતનગર સોસાયટી,કતારગામ)ને ડીસેમ્બર-2017તથા જાન્યુઆરી-2018 એમ બે તબક્કે કુલ રૂ5.82 લાખના રફ ડાયમંડનું વેચાણ કર્યું હતુ. જે અંગે વેપારી વ્યવહાર મુજબ 75 દવિસમાં પેમેન્ટ ચુકવવાનું હોય છે. જે મુદત લંબાવ્યા બાદ ફરયિાદીએ ઉઘરાણી કરતાં આરોપીએ તા.20-8-2019ના રોજ 5.8 લાખના ચેક લખી આપ્યા હતા. જે રીટર્ન થતા કોર્ટ ફરયિાદ નોધાવાઇ હતી. સુનાવણી બાદ કોર્ટે આરોપી અલ્પેશ ઇટાલીયાને દોષી ઠેરવી જણાવ્યું હતું કે, આરોપી વરિુધ્ધ દેશના અર્થતંત્રને નુકસાન કરતા આર્થકિ ગુનો પુરવાર થયો હોઈ સજામાં પ્રોબેશનનો લાભ આપી શકાય નહી.

યુનિ રોડ પરના ગંગોત્રીપાર્ક નજીક રોડ બનાવવામાં નડતા 20 બાંધકામ તોડાયા

રાજકોટ, : રાજકોટની રૈયા ટાઉન પ્લાનંગિ સ્કીમ અન્વયે 12 અને 24 મીટરનાં બે રોડ બનાવવામાં નડતરરૂપ બની રહેલા મકાન-દુકાનો સહતિ વીસેક પાકા બાંધકામો તોડી પાડવા ગંગોત્રીપાર્ક મેઈન રોડ પર આજે સવારથી વજિલિન્સ પોલીસ ટૂકડીના બંદોબસ્ત વચ્ચે ડમિોલશિન ઓપરેશન હાથ ધરવામાં આવ્યું હતું અને બપોર સુધીમાં તોડપાડ પૂરી કરીને 500 ચોરસ મીટરથી વધુ જમીન ખુલ્લી કરાવી દંવામાં આવી હતી.

યુનવિર્સટિી રોડ પરની કડિની પોસ્પટિલ નજીકથી રૈયા રોડ તરફ જતાં માર્ગે ટી.પી. સ્કીમના રોડ બનાવવાના છે, જેમાં કેટલાંક બાંધકામો એ રીતે નડતરરૂપ હતા કે 80 ફૂટનો રોડ ઘટીને 60 ફૂટનો જ બની જતો હતો. આથી, આજે દબાણહટાવ કામગીરી આદરીને વોર્ડ નં. 9માં ટાઉન પ્લાનંગિ સ્કીમ નં.16 (રૈયા)ના 12 મીટરનાં રસ્તે બે રહેણાંક મકાન તથા 24 મીટરનાં રસ્તે 10 દુકાન, 2 મકાન સાથેનાં વાણજ્યિકિ બાંધકામ તેમજ 6 રહેણાંક જમીનદોસ્ત કરી નાખવામાં આવ્યા હતા, જેમાં કુલ પર 1.40 ચો.મી. જમીન ખુલ્લી કરાવવામાં આવી છે.કેટલાંક આસામીઓએ ફરયિાદ ઉઠાવી હતી કે તે વર્ષોથી અહી રહેતા હતા અને મનપાએ રસ્તો બનાવવા તેમનાં ઘર તોડી પાડવા પડે તેમ હોય તો પણ વૈકલ્પકિ જગ્યા કે ખર્ચની રકમ આપવા જોઈએ તે નથી આપ્યા. બીજી તરફ, મનપાનું કહેવું છે કે આ ટી.પી. સ્કીમ તા. 7-7-2018થી પ્રારંભકિ તથા તા. 26-8-2021થી આખરી મંજૂર થઈ અમલમાં આવી તે અન્વયે સૂચતિનાં આ બાંધકામો તોડવા બદલ કોઈ વળતર આપવાનો પ્રશ્ન જ રહેતો નથી. દબાણકર્તાઓને ગત તા. 5 ઓક્ટોબરથી કારણદર્શક નોટસિ આપ્યા બાદ ડમિોલીશનની કાર્યવાહી હાથ ધરતાં પૂર્વે છેલ્લા દસ દવિસથી સ્થળ ઉપર જઈને તેમના દબાણો દૂર કરવા જણાવી દેવામાં આવ્યું હતું, તેમને નુકશાની ન થાય તે માટે પુરતો સમય આપવામાં આવ્યો હતો. આથી, લગભગ તમામ દબાણકર્તાઓ દ્વારા તેમની જાતે જ નુકશાન ન થાય તે રીતે સમાન ખાલી કરી દેવામાં આવ્યો હતો.

गऊ भारत भारती
परिवार
प्रकाशक/ प्रधान संपादक
संजय रमाशंकर शर्मा
सलाहकार संपादक
डॉ . विजय गुप्ता (कृषि वैज्ञानिक),
राजेश विक्रांत (स्तंभकार हिंदी दोपहर का सामना),
प्रेम कुमार (सलाहकार संपादक)
विशाल भगत (सलाहकार संपादक)
संवाददाता- फिरोज खान, अब्दुल कादिर
विज्ञान विभाग- साई सामी ग्रुप
भूपेंद्र- फोटोग्राफर
पृष्ठ सज्जा- अमोल गुडेकर ग्राफिक्स
अनिल नलावडे- वितरण व्यवस्था
मंत्रालय वितरण- सुचित कुमार
सभी पद अवैतनिक है
संपर्क- गाला नं. 430, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, आर-5, 4था माला, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर (पश्चिम), मुंबई- 400104
मो- 9768372509.

मुंबई के मेयर हॉल में १२ फरवरी २०२२ को केसीएफ प्रस्तुत तीसरे 'बॉलीवुड आइकोनिक एवार्ड २०२२' का होगा भव्य आयोजन

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर डॉ कृष्णा चौहान ने अंधेरी मुंबई में स्थित फाइव स्टार होटल कोटऱ्यार्ड मेरिएट होटल में अपनी केसीएफ एंटरटेनमेंट मैगज़ीन का कवर लांच किया साथ ही इस खास मौके पर केसीएफ कैलेंडर का डिजाइन भी लांच किया गया। इस अवसर पर केसीएफ के फाउंडर डॉ कृष्णा चौहान और मोटिवेशनल स्पीकर डॉ परिन सोमानी के अलावा पब्लिसिटी डिज़ाइनर आर राजपाल भी मौजूद थे। डॉ कृष्णा चौहान ने यहां मीडिया से बात करते हुए बताया कि १२ फरवरी २०२२ को केसीएफ प्रेजेंट्स तीसरे बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड २०२२ का आयोजन मुंबई के मेयर हॉल में किया जा रहा है। और यहीं केसीएफ एंटरटेनमेंट मैगज़ीन लांच की जाएगी साथ ही इस विशेष अवसर पर १२ पेज का शानदार केसीएफ कैलेंडर भी लांच किया जाएगा।

डॉ कृष्णा चौहान ने आगे बताया कि इस अवार्ड फंक्शन में तमाम अवार्डी को और आए हुए तमाम मेहमानों को यह मन्थली मैगज़ीन भेंट की जाएगी। सभी उपस्थित लोगों को केसीएफ कैलेंडर भी दिया जाएगा।

मोटिवेशमल स्पीकर डॉ परिन सोमानी ने यहां डॉ कृष्णा चौहान का शुक्रिया अदा किया और कहा कि उन्हें बेहद खुशी हो रही है कि मुझे केसीएफ एंटरटेनमेंट मैगज़ीन के कवर पेज पर छापा गया है। डॉ कृष्णा चौहान को उनकी मैगज़ीन और कैलेंडर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

डॉ कृष्णा चौहान ने २०२१ के आखरी दिन एक बड़ा धमाल इवेंट किया। केसीएफ और केसीपी द्वारा ३१ दिसम्बर २०२१ को मिस एंड मिसेज इंडिया ऑनलाइन बयूटी कांटेस्ट २०२१ का आयोजन किया गया। इस ब्यूटी कांटेस्ट के ज्यूरी मेम्बर्स में डॉ परिन सोमानी, आर राजपाल और अविनाश गोयल का नाम उल्लेखनीय है। मिस एंड मिसेज इंडिया ऑनलाइन बयूटी कांटेस्ट २०२१ की मिस की विनर हैं मानवी त्रिपाठी, जो यूपी देवरिया की रहने वाली अॅक्ट्रेस हैं। फिलहाल मुंबई में रहती हैं। वहीं मिसेज का पुरुस्कार फरहा अंजर खान को दिया गया जो दिल्ली की रहने वाली अॅक्ट्रेस व राईटर हैं।

डॉ कृष्णा चौहान न सिर्फ एक सफल बॉलीवुड डायरेक्टर हैं, एक्टिव सोशल वर्कर हैं बल्कि अवाड्र्स फंक्शन्स करवाने के मामले में सबसे चर्चित शख्सियत माने जाते हैं। उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने नेक्स्ट पुरुस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं। नए साल २०२२ में वह मुंबई में 'बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड २०२२' करवाने जा रहे हैं, जिसकी चर्चा अभी से शुरू हो गई है। केसीएफ द्वारा यह अवार्ड लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किया जा रहा है। १२ फरवरी २०२२ को आयोजित होने वाले इस शानदार अवॉर्ड फंक्शन में बॉलीवुड की कई हस्तियां मौजूद होंगी। लगातार कई घंटे तक चलने वाले इस कार्यक्रम में ऑडिएंस का खूब मनोरंजन भी होने वाला है, कई डांस परफॉर्मेंस भी पेश की जाएगी।

इस अवार्ड शो के आयोजक कृष्णा चौहान की प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं है। वह नए साल में नया धमाल मचाने को तय्यार हैं। केसीपी (कृष्णा चौहान प्रोडक्शनस) के अंतर्गत वह नए साल में फ़िल्म भी शुरू करने वाले हैं जिसका सब्जेक्ट यूनिक होगा।

आपको बता दें कि बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड २०२२ से सम्मानित होना सबके लिए बड़े गर्व की बात होती है। यह प्रतिष्ठित सम्मान पाकर पुरस्कृत हस्तियां खुश होती है और कृष्णा चौहान के जज़्बे को सलाम करती हैं।

केसीएफ और केसीपी द्वारा प्रस्तुत चर्चित व प्रतिष्ठित ' बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड-२०२२' का मुंबई में १२ फरवरी को आयोजन होगा। कृष्णा चौहान फाउंडेशन प्रस्तुत इस तीसरे बॉलीवुड आयकोनिक एवॉर्ड फंक्शन में पिछले वर्ष की भांति अगले वर्ष भी बॉलीवुड की कई सेलिब्रिटीज़ तथा मीडिया जगत के दिग्गजों को ये गौरवपूर्ण एवॉर्ड प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज़ तथा सोशल वर्क के लिए कई हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

अपने आप में अनूठे और बेहद खास इस एवार्ड शो के आयोजक बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक कृष्णा चौहान हैं, जो पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के अंतर्गत कृष्णा चौहान कई एवाड्र्स शो का आयोजन करते आये हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड एवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के एवॉर्ड और महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जाता रहा है।

४ मई २०२२ को अपने बर्थडे के दिन डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड २०२२ का आयोजन करने वाले हैं। २ अक्टूबर २०२२ को महात्मा गांधी रत्ना अवार्ड २०२२ और दिसम्बर २०२२ में बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड का आयोजन करेंगे।

कोरोना की तीसरी लहर कब होगी खत्म, ICMR ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

पुणे : देश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर ज्यादातर राज्यों में कमजोर पड़ती जा रही है। हालांकि, केरल जैसे कुछ राज्यों में अभी ऐसा नहीं दिख रहा। इस बीच इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने बताया है कि देश को कब इस ओमीक्रोन लहर से मुक्ति मिलेगी। घ्र्ईं के अडिशनल डायरेक्टर जनरल डॉक्टर समीरन पांडा ने बताया कि अलग-अलग राज्यों में तीसरी

लहर अलग-अलग वक्त पर खत्म होगी। देश में मार्च तक ये खत्म हो सकती है। डॉक्टर पांडा ने शुक्रवार को बताया कि महाराष्ट्र, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में इस महीने के आखिर तक कोरोना की तीसरी लहर खत्म हो सकती है। उन्होंने बताया, 'इन राज्यों में तीसरी लहर का पीक गुजर चुका है और इस महीने के अंत तक ये बेस लेवल तक पहुंच जाएगी। जहां तक पूरे देश की बात है तो मार्च तक तीसरी लहर खत्म होने की उम्मीद है।' आईसीएमआर के मैथमेटिकल मॉडल के मुताबिक इन राज्यों में इस महीने के भीतर ही तीसरी लहर खत्म हो जाएगी। आईसीएमआर और इंपियरल कॉलेज लंदन की तरफ से बनाए गए इस क्रोमिक मॉडल के मुताबिक देश में इस साल मार्च मध्य तक कोरोना एंडेमिक स्टेज तक पहुंच सकता है।

कंकालों की गोशालाःहमारी बूढ़ी और बीमार गाय ले जाओ, ७ दिन कांजी हाउस में रखो, फिर गोशाला भेज दो

बैरसिया की गोशाला में गायों के शव और कंकाल मिलने के मामले के तार भोपाल नगर निगम से जुड़ रहे हैं। निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के कर्मचारी पशुपालकों की मिलीभगत से बीमार गायों को कांजी हाउस में बंद करते हैं, फिर उन्हें गोशाला भेज देते हैं। हर साल शहर से २००० बीमार गाय गोशालाओं में भेजी जा रही हैं। यह तब, जब भोपाल कैटल फ्री घोषित है।

इसके बाद भी शहर में ७६५ अवैध डेयरियां हैं। इनमें १० हजार आवारा मवेशी हैं, जो पूरे दिन सड़कों पर रहते हैं, लेकिन निगम अमला इन्हें नहीं पकड़ता। तर्क देते हैं कि कांजी हाउस फुल हैं। पशुपालकों की मिलीभगत से निगम की गाड़ियों से बीमार व बूढ़ी गायों को कांजी हाउस लाया जाता है, लेकिन पशुपालक इन्हें लेकर नहीं जाते और ७ दिन पूरे होते ही इन गायों को गोशाला में भेज दिया जाता है। भेल, इंडस्ट्रियल एरिया, सुभाष नगर, अशोका गार्डन, शाहपुरा, बैरागढ़, लाऊखेड़ी, बेहटा, बरेला, करोंद, भानपुर, पटेल नगर,

कल्याण नगर, छोला, शिव नगर, नवीन नगर, हिनौतिया, सेमराकलां, नरेला शंकरी, इंद्रपुरी, सोनागिरी, गोविंदपुरा, जंबूरी मैदान आदि।

सात दिन तक यदि कोई पशुपालक अपनी गाय लेने नहीं आता है तो निगम उसे गोशाला पहुंचाता है। इसके लिए निगम ने एक वाहन का इंतजाम भी कर रखा है।

नगर निगम के ७ कांजी हाउस हैं, जो हमेशा भरे रहते हैं। इन सबकी कुल मिला कर क्षमता करीब ६९० पशु की है। दुधारू गाय और भैंस अगर कभी पकड़ में आ जाए तो पशुपालक उसे तत्काल छुड़ा ले जाते हैं, जबकि बीमार गायों को कोई पूछने भी नहीं आता। हर साल औसत ३५०० पशु कांजी हाउस में बंद होते हैं, इनमें से डेढ़ हजार को उनके मालिक छुड़ा ले जाते हैं और बाकी २००० को गोशाला भेज देते हैं।

निगम हर साल लगभग २० लाख रुपए का चारा खरीदता है। कांजी हाउस में कोई भी इस बात को वैरिफाई नहीं करता कि कितना चारा आया है। वहीं अवैध डेयरियों को शिफ्ट करने के लिए निगम को २०१७ में जगह मिली। लेकिन डेयरियां शिफ्ट नहीं हुई। बसई गांव की गो सेवा भारती गोशाला की सभी गाय बैरसिया व हुजूर तहसील की ५ गोशालाओं में भेज दी हैं। तहसीलदार आलोक पारे ने बताया कि गोशाला के आसपास अतिक्रमण वाले इलाके की नपती कर ली है। जितना भी अतिक्रमण है, उसे हटाया जाएगा। बीमार गायों को गो शाला में पहुंचाने का नियम तो शासन स्तर पर तय है, पर इस तरह से मिलीभगत होने का अभी कोई सबूत नहीं है। लेकिन, गोवर्धन शाखा के कामकाज में सुधार की जरूरत है। अवैध डेयरियों को बाहर करने पुख्ता प्लानिंग करेंगे।

डेयरी फार्म की शान बढ़ा रही साहीवाल गाय

जम्मू : पंजाब की साहीवाल नस्ल की गाय के दूध की गुणवत्ता से प्रभावित होकर जम्मू संभाग के किसान भी साहीवाल नस्ल की गाय पालने लगे हैं। अब संभाग में खुले डेयरी फार्म की इस नस्ल की गाय शान बढ़ा रही है और किसानों की मोटी कमाई भी हो रही है। इतना ही नहीं, इस नस्ल की गाय के अलग से डेयरी फार्म खुलने लगे हैं। साहीवाल नस्ल की गाय के दूध की गुणवत्ता को देखते हुए इसकी मांग तेज होने लगी है। किसी जमाने में साहीवाल नस्ल की गाय सिर्फ पंजाब में ही पाली जाती थी, लेकिन समय के साथ और इस गाय की दूध की गुणवत्ता को देखते हुए अब पूरे में किसान इस नस्ल की गाय पाल रहे हैं। लाल रंग की यह गाय देखने में भी बहुत प्यारी लगती है। डाक्टरों की मानें तो इस नस्ल की गाय का दूध काफी स्वास्थ्य वर्धक होता है और कोई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। इस नस्ल की गाय का दूध अन्य नस्लों की तुलना में महंगा भी बिकता है।

साहीवाल नस्ल की गाय का दूध अन्य गायों से कहीं ज्यादा उत्तम होता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस गाय के दूध में चार से पांच प्रतिशत फैट होता है जबकि अन्य गायों के दूध में २.५ से ३.५ प्रतिशत ही होता है। साहीवाल नस्ल का दूध ए २ श्रेणी में आता है, जो इंसान की सेहत के लिए उत्तम माना गया है। खासकर बच्चों के लिए यह दूध बहुत अच्छा होता है। साहीवाल नस्ल की गाय पर कम बीमारियों का हमला होता है। खासकर रक्त से जुड़ी बीमारियां

कम लगती हैं। थनेला बीमारी भी इस नस्ल को कम होती है। यही वजह है कि अब किसानों का रुझान इस नस्ल की तरफ हुआ है।

शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के पशु चिकित्सक डा. निलेश शर्मा के अनुसार, गायों की प्रजाति में साहीवाल नस्ल उत्तम है और मौजूदा समय में केंद्र सरकार इस नस्ल की गाय को बढ़ावा दे रही है। मैं किसानों से भी कहूंगा कि साहीवाल नस्ल की गाय को ही पाले, यह किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी।

साहीवाल नस्ल की गाय प्रतिदिन छह से २० किलोग्राम ही दूध देती है, लेकिन इसके बावजूद किसानों को मोटा मुनाफा होता है, क्योंकि इस नस्ल की गाय के दूध की अधिक मांग होने के कारण अन्य नस्लों की तुलना में काफी महंगा बिकता है। इस नस्ल की गाय का दूध १०० रुपये प्रति किलो तक बिक जाता है। सांबा जिले में दिनकर कौशल के साहीवाल डेयरी फार्म पर १०० रुपये प्रति किलो दूध बिक रहा है। दिनकर कौशल के साहीवाल डेयरी फार्म से प्रेरित होकर क्षेत्र के अन्य किसान भी अपने पशु बाड़े में साहीवाल नस्ल की गायों को जगह देने लगे हैं। सौहांजनां के किसान कुलभूषण खजुरिया के अनुसार, अन्य नस्लों की गायों की तुलना में साहीवाल नस्ल की गाय दूध कम देती है, लेकिन इस नस्ल की गाय के दूध की मांग अधिक है। यह स्वाद में भी बढ़िया है और गुणवत्ता से भरपूर है। वहीं किसान कुलदीप राज का कहना है कि कुछ लोगों के पास इस नस्ल की गाय है, लेकिन अब समय ही बदल रहा है। इसी नस्ल की गाय के अलग से फार्म खुल रहे हैं।

Gaukkart

GAUKKART IS AN INDIAN E-COMMERCE COMPANY

मो: 9768372309

गउ भारत भारती

क्या आप गौ माता के प्रॉडक्ट बनाते है पुरे भारत में मार्केटिंग और वितरण लिए संपर्क करे

गउ भारत भारती

Email - gaubharatbharti@gmail.com

फोन - 8850 33 7237

व्हॉट्सअॅप नंबर - 79774 21335

अपील

स्थापना दि. 19-12-2002 रजि नं. 12344/एफ/7802/सोलापूर

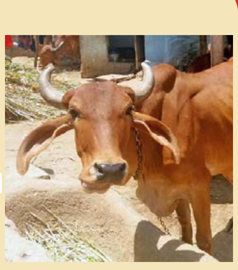

श्री राधे कृष्ण गौशाला

को इस समय दान की बहुत आवश्यकता है पूरी गौशाला में चारे-पानी की बहुत कमी है। सभी गौभक्तों से निवेदन है कि इस गौशाला को मदद करें।

Bank of India
071920100000076
(IFSC Code: BKID 0000719)
Central Bank 3167615243
(IFCS Code: CBINO282523)
Pan No.: AABAR3881N
shriradhekrishngoushala@gmail.com
www.shreeradhekrishnagoshala.in

श्री शामराव विठ्ठल बाबर
संस्थापक
९३२४०८४९३१

अपीलकर्ता
गउ भारत भारती

यह साप्ताहिक स्वामी मुद्रक व प्रकाशक संजय रमाशंकर शर्मा द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. ३/४, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला'क्रॉस रोड नं. २, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- ६३, महाराष्ट्र से मुद्रित करवाकर, इर्ला सोसायटी रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), मुंबई- ४०० ०५६ महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
■ संपादक - संजय रमाशंकर शर्मा, संपादकीय कार्यालय- आर-५, ४था माला, गाला नं. ४३०, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर स्टेशन (पश्चिम), गोरेगांव, मुंबई- ४००१०४ मो- ९७६८३७२५०९. फोन- ०२२-६९९९९४६६
■ कानूनी सलाहकार- अॅड. देवेंद्र सिंह / अॅड. सुरेश पांडेय (किसी भी विवाद का न्यायालय क्षेत्र मुंबई होगा) इस अख़बार में प्रकाशित लेख, समाचार से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। ■ gausevatimes@gmail.com ■ Email: gaubharatbharti@gmail.com RNI No. MAHMUL/2015/65928